प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 15 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

आज वह फिर साक्षात्कार के लिए गया। साक्षात्कार के लिए उपस्थित प्रतिनिधि मंडल में से एक अधिकारी ने पूछा–भ्रष्टाचार के बारे में आपकी क्या राय है?

"भ्रष्टाचार एक ऐसा कीड़ा है जो देश को घुन की तरह खा रहा है। यह देश के लिए कलंक है"। मैंने कहा।

दूसरे अधिकारी ने प्रश्न किया –''रिश्वत को आप क्या मानते हैं?

''यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। इसका स्वरूप भी कुछ–कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों का कर्त्तव्यों का आदान–प्रदान करते हैं। इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्वत देने से रूके हुए कार्य, दबी हुई फाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती है। जब कि यह समाज के माथे पर कंलक है, इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है। यह कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया। जानता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा पर भीतर बैठे अधिकारियों ने ..... गंभीरता से विचार विमर्श करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद देते हुए उसका चयन कर लिया। आज वह समझा कि ''सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नहीं।''

1. उपरोक्त गद्य में लेखक किन सामाजिक कुरीतियों की बात कर रहा है? 2

उत्तर : गद्य में लेखक ने रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार पर करारा व्यंग्य किया है। यहाँ लेखक ने दर्शाया है कि सत्य का पालन ही लक्ष्य तक पहुँचने में सहायक होता है।

2. अंत में लेखक का चयन हो जाने पर लेखक को क्या समझ आया? 2

उत्तर : उम्मीद से परे जब लेखक का नौकरी के लिए चयन कर लिया गया तो लेखक को समझ आया कि सत्य का दामन कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नहीं।

3. रिश्वत के बारे में लेखक के विचार लिखिए? 2

उत्तर : लेखक के अनुसार रिश्वत और भ्रष्टाचार एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं। रिश्वत देने से रुके हुए कार्य, दबी हुई फाइलें, टलती हुई पदोन्नति और रोकी हुई नौकरी आदि में सफलता मिल जाती है।

4. उपरोक्त गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है? 2

उत्तर : हर जगह भ्रष्टाचार, रिश्वत का बोलबाला होने के कारण योग्यता होने के बावजूद चयन ना होने पर युवा वर्ग निराश हो जाता है। प्रस्तुत घटना से यह सिद्ध हो जाता है कि सत्य का मार्ग कठिन अवश्य हैं किंतु नामुमकिन नहीं। अंततः सत्य की जीत होकर रहती हैं।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : साक्षात्कार।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

हम उस धरती के लड़के हैं.....
जिस धरती की बातें
क्या कहिए, अजी क्या कहिए, हां क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव–से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल–पत्ता अपने आगे,थे नहीं किसी को कुछ गिनते।
अजी क्या कहिए, हां क्या कहिए।

हम उस धरती की लड़की हैं.....
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थी झांसी की रानी।
रजिया सुल्ताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थी मर्दानी।
जन्मी थी बीवी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी–ऐसी बाला।

1. उपरोक्त काव्यांश के प्रथम पद में किसका वर्णन है? 2
उत्तर : प्रथम पद में कवि ने शूरवीर ऐतिहासिक पुरुषों का वर्णन किया है जिन्होंने अपने साहस का लौहा मनवाया और अपना नाम शूरवीर योद्धाओं की श्रेणी में दर्ज करवाया।

2. भारत देश की किन महान स्त्रियाँ का शौर्य इसमें व्यक्त किया गया है? 2
उत्तर : रानी लक्ष्मी बाई, रजिया सुल्ताना, दुर्गावती, बीबी चांद, पद्मिनी, सावित्री तथा सीता आदि साहसी स्त्रियों के असीम शौर्य को व्यक्त किया गया है।

3. काव्यांश में तुकांत वाली दो पंक्तियाँ चुनकर लिखिए।2
उत्तर :

1.

यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव–से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।

2.

जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थी झांसी की रानी।
रजिया सुल्ताना, दुर्गावती जो खूब लड़ी थी मर्दानी।

अथवा

सच हम नहीं, सच तुम नहीं।
सच है सतत संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृन्त से झरकर कुसुम।
जो पन्थ भूल रूका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत है जीवन वही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो भी जहाँ चुपचाप अपने–आपसे लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिले,
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें,
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं।

1. कवि के अनुसार जीवन का सच क्या है?
उत्तर : कवि के अनुसार जीवन का सच केवल संघर्ष करना है।

2. वास्तव में जीत किसकी होती है?
उत्तर : कवि के अनुसार वास्तव में सिर्फ उसी की जीत होती है जो समस्याओं से नहीं घबराता, हर परिस्थिति को चुनौती के रूप में स्वीकार करता है।

3. चुपचाप अपने आपसे लड़ने का क्या भाव है?
उत्तर : चुपचाप अपने आपसे लड़ने का भाव है–जीवन की परिस्थितियों का मौन होकर संघर्ष करना।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2
रामायण, भौतिकी, विख्यात
उत्तर : रामायण– र् + आ + म् + आ + य् + अ + ण् + अ
भौतिकी– भ् + औ + त् + इ + क् + ई
विख्यात– व् + इ + ख् + य् + आ + त् + अ

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1
अगूठी, पत्रिकाए, फूकना
उत्तर : अगूठी– अँगूठी
पत्रिकाए– पत्रिकाएँ
फूकना– फूँकना

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1
वचित, सकुचित, पसद
उत्तर : वचित– वंचित
सकुचित– संकुचित
पसद– पसंद

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1
गैरजिम्मेदार, बेवफा, खतरनाक
उत्तर : गैरजिम्मेदार– ग़ैरज़िम्मेदार
बेवफा– बेवफ़ा
खतरनाक– ख़तरनाक

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1
लेनदार, बढिया, होनहार

उत्तर :

	मूलशब्द	प्रत्यय
1.	लेन	दार
2.	बढ	इया
3.	होन	हार

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
प्रदर्शन, अवतीर्ण, तिकोना

उत्तर :

	उपसर्ग	मूलशब्द
1.	प्र	दर्शन
2.	अव	तीर्ण
3.	ति	कोना

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
संपूर्णता, उपकारक, अपमानित

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	सम्	पूर्ण	ता
2.	उप	कार	क
3.	अप	मान	इत

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
चन्द्रोदय, गंगोत्सव, सहानुभूति, चित्रांकन, सत्यार्थ

उत्तर : **चन्द्रोदय–** चंद्र + उदय
गंगोत्सव– गंगा + उत्सव
सहानुभूति– सह + अनुभूति
चित्रांकन– चित्र + अंकन
सत्यार्थ– सत्य + अर्थ

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन विराम चिन्हों का उचित प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बनाइए। 3
प्रश्नवाचक चिन्ह, विस्मयादिबोधक चिन्ह, कोष्ठक, अल्पविराम।

उत्तर :

1. **प्रश्नवाचक चिन्ह–** (?) तुमने इतना बड़ा जोखिम क्यों उठाया?
2. **विस्मयादिबोधक चिन्ह–** (!) ओह ! बहुत बुरा हुआ उनके साथ !
3. **कोष्ठक–** ( ) मैं यह अन्याय नहीं होने दूँगा। (गुस्से में)
4. **अल्पविराम–** (,) मैं सोचता रहा, खाता रहा और उस दृश्य को देखता रहा।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर बताइए कि धार्मिक शोषण को किस प्रकार रोका जा सकता है? 2
उत्तर : धार्मिक शोषण को रोकने के लिए जनता को पूर्ण रूप से मानवता की शिक्षा देनी होगी। उन्हें जागरूक कर 'धर्म' के नाम पर होने वाली ठगी को दर्शाते हुए 'धर्म' की मूल शिक्षा जो कि 'मानव कल्याण' है उसका परिचय देकर एकजुट करना होगा। धर्म के नाम पर अब तक उनका किस प्रकार शोषण हो रहा था उसकी जानकारी देते हुए धर्म के सच्चे स्वरूप के विषय में चर्चा कर राष्ट्रीय एकता व अखण्डता की रक्षा हेतु उनमें भावना भरनी होगी।
2. 'शुक्रतारे के समान' पाठ में लेखक ने किसके व्यक्तित्व को उकेरा है? 2
उत्तर : पाठ में लेखक ने गाँधीजी के निजी सचिव महादेव भाई देसाई जी की बेजोड़ प्रतिभा और व्यस्तम दिनचर्या को उकेरा है। उनकी ऊर्जा, व्यक्तित्व, लगन और प्रतिभा से लेखक अभिभूत है। महादेव भाई की सरलता, सज्जनता, निष्ठा, समर्पण, लगन और निरभिमान को लेखक ने पूरी ईमानदारी से शब्दों में पिरोया हैं।
3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। 1
पार्थिवता, रेणु, अभिजात, कनिया, सिझाई, अमराइयाँ, लरिकान।

उत्तर : **पार्थिवता–** पृथ्वी से संबन्धित
रेणु– धूल
अभिजात– कुलीन
कनिया– गोद
सिझाई– पकाई हुई
अमराइयाँ– आम के बाग
लरिकान– बच्चे

9. 'दुख का अधिकार' पाठ का मूल संदर्भ लिखिए। 5

उत्तर : 'दुख का अधिकार'– पाठ में लेखक ने खरबूज बेचने वाली बुढ़िया के दुख का विवरण दे, समाज में व्याप्त विसंगति को व्यक्त किया है कि बुढ़िया के पुत्र की मृत्यु होने पर भी वह दुख या शोक मना नहीं सकती क्योंकि वह निर्धन है। घर–परिवार के लिए रोजी–रोटी के इंतजाम के लिए उसे अपने काम पर आना पड़ा और आस–पास के लोगों की खरी खोटी भी सुननी पड़ी। दूसरी तरफ अमीर परिवारों में यदि किसी की मृत्यु होती है तो सूतक मानते हैं व काम पर नहीं जाते। कई दिनों तक शोक मनाते हैं तथा पूरा समाज उनके दुख

में सम्मिलित होने आता है लेखक कहता है कि शोक मनाने व दुख जताने के लिए भी सहूलियत चाहिए। दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है, जो निश्चित रूप से हमारे समाज में निम्न वर्ग के लोगों के लिए नहीं है।

अथवा

'कीचड़ का काव्य' पाठ के लेखक द्वारा किए गए सूखे कीचड़ की सुन्दरता का बखान अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : 'कीचड़ का काव्य' पाठ में लेखक कहता है कि नदी के किनारे जब कीचड़ सूख जाता है तो उसके टुकड़े हो जाते हैं। टूटकर वे बेहद खूबसूरत दिखते हैं। जब ज्यादा गरमी पड़ती है और इन्हीं टुकड़ों में और दरारें पड़ जाती हैं तब वह अपना रूप बदल कर टेढ़े हो जाते हैं और सुखाए हुए खोपरे से प्रतीत होते हैं। नदी किनारे मीलों तक सूखे पृष्ठ भाग पर जब बगुले और अन्य छोटे–बड़े पक्षी चलते हैं तब तीन नाखून आगे और अँगूठा पीछे ऐसे उनके पदचिन्ह, जो मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर–दूर तक अंकित होते हैं, उन्हें देखकर हमें भी इसी रास्ते अपना कारवां ले चलने की इच्छा होती है। जब कीचड़ ज्यादा सूखकर जमीन ठोस हो जाती है तब गाय, बैल, भैस, भेड़, बकरी इत्यादि के पदचिन्ह उस पर अंकित हो और उसकी शोभा और बढ़ाते हैं।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के आधार पर बताइए कि आर्थिक–सामाजिक विषमता इन सभी श्रमिकों को भावात्मक स्तर पर कैसे प्रभावित करती होगी ? 2

उत्तर : आर्थिक और सामाजिक विषमता सभी निम्न वर्ग के लोगों को मजबूर कर देती है उन्हें अहसास दिलाती है कि यदि जीवन में जीना है तो कुछ तो करना ही पड़ेगा। उन्हें यह अहसास होता है कि चाहे हाथ कटे–फटे हों, घाव हों, नाखून घिसे हों, चाहे कूड़े–करकट के समीप ही क्यों न हो, पर अपनी रोजी–रोटी के लिए कार्य करना ही होगा। उनके जीवन में शायद इसी कार्य के कारण परिवर्तन न हो सकता है। इस प्रकार ही वे बेबस मजदूर सामाजिक एवं आर्थिक विषमता की बेड़ियों से बाहर निकल पायेंगे।

2. आदमीनामा कविता के कवि कौन है? उनकी कविताओं की विशेषता बताइए। 2

उत्तर : आदमीनामा कविता के कवि नजीर अकबरावादी हैं। ये हिन्दी व उर्दू दोनों भाषाओं के जाने माने कवि थे। इनकी कविताओं में दुनिया हँसती–बोलती, जीती–जागती, चलती–फिरती और जीवन का त्यौहार मनाती नजर आती है। इनकी कविताएँ हमारी राष्ट्रीय एकता की मिसाल हैं, जिनमें कई जातियाँ, कई प्रदेश, कई भाषाएँ और कई परम्पराएँ होते हुए भी सबमें एकता है। वे अपनी रचनाओं में मनोविनोद करते हैं।

3. रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है ? 1

उत्तर : रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य इसलिए कहा है क्योंकि, कीचड़ युक्त जल से भी उसमें रहने वाले लघु प्राणी अपनी प्यास बुझाते हैं परन्तु सागर का खारा पानी विशाल होने पर भी किसी की प्यास नहीं बुझा सकता। इसलिए पंक जल विशाल जल समूह सागर से भी कई ज्यादा धनी हैं।

11. अग्निपथ कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। 5

उत्तर : कविता में अग्निपथ का तात्पर्य– जीवन में पग–पग पर आने वाले संघर्षों से है। मनुष्य को अपने जीवन में निरंतर संघर्षरत् रहना चाहिए तथा दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। इस कविता के माध्यम से कवि संघर्षों भरे पथ पर चलने की प्रेरणा देना चाहता है। वह कहता है कि कितनी भी मुश्किलें आए, कितनी भी चुनौतियाँ आएँ उनसे हताश, निराश न हो अपितु दृढ़ता, कठोर परिश्रम से जीवन पथ पर अनवरत् चलता चल। हमें संघर्षों से जूझते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए।

अथवा

उपरोक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

यहाँ रोज कुछ बन रहा है
रोज कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं,
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाजा खटखटाओ
और पूछो–क्या यही है वो घर ?

उत्तर : उपरोक्त पंक्तियों में कवि पुराने इलाके में नित नई बनती बस्तियों का वर्णन कर रहा है। वह कहता है कि बस्तियों में रोज ही कुछ पुराना टूटकर, कुछ नया बन रहा है बदलाव के इस दौर में हमारी स्मृतियों का कोई मोल नहीं है। एक ही दिन में नई बसी दुनिया भी पुरानी पड़ जाती है। कवि को ऐसा लग रहा है मानो वह वसंत में गया था और फिर पतझड़ में लोटा है या यू कहूँ कि बैसाख में गया था भादों में लोटा है। सब अजनबी–सा प्रतीत हो रहा है। अपने परिचितों से मिलने हर दरवाजा खटखटाना पड़ रहा क्योंकि अब यही उपाय रह गया है और पूछो क्या यही है वो घर।

12. **वल्लभभाई पटेल की गिरफ्तारी पर देश के अन्य नेताओं की क्या प्रतिक्रियाएँ थी?** 3

उत्तर : वल्लभभाई पटेल की गिरफ्तारी की खबर से गांधी जी बहुत क्षुब्ध थे। उन्होंने कहा कि अब दांड़ी कूच की तारीख बदल सकती है। वह अपने अभियान पर 12 मार्च से पहले ही रवाना हो सकते हैं। दिल्ली में मदन मोहन मालवीय ने केन्द्रीय असेंबली में एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें बिना मुकदमा चलाए पटेल को जेल भेजने के सरकारी कदम की निंदा की गई थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने कहा, ''सरदार वल्लभभाई पटेल की गिरफ्तारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सिद्धांत पर हमला है''।

अथवा

लेखक और हामिद खाँ की मुलाकात का वर्णन कीजिए।

उत्तर : लेखक भारत में रहने वाला एक नागरिक है। वह तक्षशिला के पौराणिक खंडहर देखने के लिए पाकिस्तान गया था। कड़कड़ाती धूप में एक बार भूख–प्यास से बेहाल, तंग गलियों में स्थित हामिद खाँ के होटल पर जा पहुँचा। वहाँ उसकी मेहमान–नवाजी अच्छा इंसान समझकर की गई। खाना खाने के बाद जब लेखक पैसा देने लगा, तो हामिद खाँ ने पैसे लेने से मना कर दिया। नोट वापिस करते हुए कहा कि लेखक जब भारत पहुँचे तो उसकी मेहमाननवाजी को याद रखे।

13. **'साँप ने फुसकार मारी या नहीं, ढेला उसे लगा या नहीं, यह बात अब तक स्मरण नहीं'– यह लेखक की किस मनोदशा को स्पष्ट करता है?** 2

उत्तर : उपरोक्त कथन में लेखक की पूर्व स्मृति, घबराहट और उलझन पूर्ण मनोदशा का स्पष्ट रूप दिखता है। कुएँ के पास से निकलते समय हमेशा की आदत की तरह उसमें पत्थर डालना, क्रोध पूर्ण साँप की फुसकार सुनना, अपनी टोपी को उछालना और उस टोपी के नीचे रखी चिट्ठियों का कुएँ में गिरना आदि लेखक की पूर्ण स्मृति पर आधारित है।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5

1. **प्लास्टिक की दुनिया।**
   • प्लास्टिक की दुनिया • प्लास्टिक की उपयोगिता • निष्कर्ष
2. **जैविक खाद्य पदार्थों की बढ़ती माँग।**
   • आशय • तरीके व श्रेणियाँ • लाभ
3. **डिजिटल इंडिया।**
   • डिजिटल इंडिया क्या है • डिजिटल इंडिया की उपयोगिता • सरकार द्वारा उठाए गए कदम

उत्तर :

1. प्लास्टिक की दुनिया

आदि युग से हम ताँबा, लोहा, कांसा, पीतल जैसी धातुओं का प्रयोग करते आए हैं, परन्तु ड्यू बॉयस और जॉन द्वारा किए गए वैज्ञानिक आविष्कार से इस एथिलीन अणु से बने प्लास्टिक का जन्म हुआ। प्लास्टिक का प्रयोग आज दैनिक उपयोग की हर वस्तु में है। गृह उपयोगी वस्तुओं से लेकर कृषि, चिकित्सा, भवन निर्माण, शिक्षा, मनोरंजन आदि में प्लास्टिक का प्रयोग हो रहा है। यह एक नॉन– बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है यानी यह जल व मिट्टी में विघटित नहीं होता तथा लंबे समय तक अपघटित न होने के कारण, लगातार एकत्रित होता रहता है। जिससे भूमि, जल व वायु प्रदूषण जैसी जटिल समस्याओं को जन्म देता है। जलाने पर कार्बन–डाइ–ऑक्साइड, क्लोरो फ्लोरो कार्बन, नाइट्रिक, ऑक्साइड जैसे विषाक्त गैसे निकलती हैं, जो मनुष्य जीवों व वायुमंडल के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। प्लास्टिक जनित प्रदूषण के निवारण के लिए सरकार प्रयासरत् है। अनेक अधिनियम और कानून लागू किए गए हैं जैसे पॉलीथीन का इस्तेमाल, गैर–जैव अवक्रमित कचरा वर्जित किया गया। जिनका उल्लंघन करने पर जुर्माना व कैद जैसे दंड भी निश्चित किए गए प्लास्टिक उपयोग के दुष्प्रभावों से बचने के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बने तथा इसकी रोकथाम में सरकार का साथ दें।

2. जैविक खाद्य पदार्थों की बढ़ती माँग

जैविक खाद्य पदार्थ, वे खाद्य पदार्थ हैं जिनके उत्पादन में प्राकृतिक संसाधनों जैसे कि कम्पोस्ट खाद्य, पाकृतिक कीटनाशकों व जैविक उर्वरकों का प्रयोग किया जाता है। इनकी खेती में कृत्रिम रसायनों जैसे कि कीटनाशक दवाइयां और औषधियों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यूरोपियन यूनियन के अनुसंधान के अनुसार, जैविक खाद्य पदार्थों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक एंटी–ऑक्सिडेंट पाए जाते हैं। आज विभिन्न प्रकार के जैविक फल, सब्जियाँ, अनाज, दुग्ध, मीट, मसाले, तिलहन, चाय, दालें आदि बाजार में उपलब्ध हैं तथा सामान्य से अधिक दामों पर बिक रहे हैं। क्रॉप रोटेशन, कैंपिनियन प्लांटिंग आदि तरीकों से की जाने वाली जैविक खेती देश के कोने–कोने में प्रसिद्ध हैं। विश्वभर में पिछले कुछ वर्षों से जैविक खाद्य पदार्थों व इनके स्वास्थ्य लाभ को देखते हुए इनकी मांग में वृद्धि हुई है। जैविक फलों व सब्जियों में जिंक, आयरन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और फास्फोरस आदि पोष्टिक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं इसलिए अधिक गुणकारी व स्वास्थ्य वर्धक होते हैं।

3. डिजिटल इंडिया

डिजिटल इंडिया सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का इस्तेमाल कर भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित एक कार्यक्रम है। 1 जुलाई, 2015 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री जी द्वारा नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया गया। यह एक प्रगतिशील कदम है और इसका लक्ष्य कागजी कार्यवाही को घटाकर भारतीय नागरिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही ई. सेवाओं को आसानीपूर्वक उपलब्ध करवाना है। इसके अन्तर्गत सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, कृषि, कारोबार, स्वास्थ्य आदि अनेक क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं से कार्य कुशलता में सुधार, समय की बचत, मानव श्रम कम लगना आदि परिवर्तन प्रेषित हैं। भारत के चहुंमुखी विकास के लिए डिजिटल इंडिया के तहत निम्न योजनाएं चलाई गईः

1. **ब्रॉडबैंड हाईवे की सुविधा–** इसका लक्ष्य ग्राम पंचायतों को 100 एम बी वी एस की स्पीड से ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना है।
2. **पब्लिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम–** इसके अन्तर्गत सभी सरकारी विभागों को इंटरनेट से जोड़ा जाएगा जिससे किसी भी नागरिक को सरकारी कार्य के लिए सरकारी दफ्तर जाने की जरूरत ना पड़े।
3. **ई.–गवर्नेंस–** इसका उद्देश्य आई टी द्वारा कारोबारी प्रक्रिया की पुनर्रचना में सुधार लाना तथा हर तरह आवेदनों को ऑनलाइन करना है
4. **ई–क्रांति–** ई. एजुकेशन, ई. हेल्थकेयर, ई. बैकिंग जैसी सुविधाओं को सम्मिलित किया।

15. अपने माताजी–पिताजी को महाविद्यालय में आयोजित करियर–ड्राइव में आई.टी. कम्पनी द्वारा चुन लिए जाने पर पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

तिरुमूर्ति टॉवर
नोएडा, दिल्ली
10 मई, 2019
परम् पूज्य पिताजी–माताजी
सादर चरण–स्पर्श,

मैं सकुशल हूँ और आपकी कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। आपको जानकर अतिहर्ष होगा कि मुझे महाविद्यालय में आयोजित 'कॅरियर–ड्राइव' में सम्मिलित हुई प्रसिद्ध आई. टी. कम्पनी ने नौकरी का प्रस्ताव दिया है। यह दो–दिवसीय ड्राइव थी, जिसमें कई नामी कम्पनियाँ/संस्थान आए थे। सभी कम्पनियों ने छात्रों का सर्वप्रथम ग्रुप डिस्कशन करवाया फिर उसमें से चयनित विद्यार्थियों को नेक्स्ट लेवल के लिए बुलाया। अंत में साक्षात्कार के लिए चुना गया। आपके आशीर्वाद से मुझे साक्षात्कार के बाद 'विप्रो' में चुन लिया गया है। 1 महीने पश्चात् नौकरी ज्वाइन करने जाना है। इसलिए जल्द ही आप लोगों से आशीर्वाद लेने आऊँगा। बैंग्लुरू बहुत अच्छा शहर है। पिताजी–माताजी आप जब भी आएंगे, तब हम साथ में घूमने चलेगें।

आपसे जल्द ही मिलने की कामना के साथ।
आपका पुत्र
गौतम

अथवा

छुट्टियों में विद्यालय की तरफ से शिमला घूम कर आने पर अपने मित्र को ट्रिप का विवरण देते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर :

C-102, गोपी, कॉलोनी
राजीव नगर, जयपुर
दिनांक– 20 मई, 2019
प्रिय मित्र,
सस्नेह नमस्कार।

हम विद्यालय की ओर से 5 दिनों के लिए शिमला घूमने गए हुए थे। घर पहुँचने पर माँ ने तुम्हारा पत्र दिया। पत्र पढ़कर बहुत खुशी हुई। मित्र वहाँ तुम्हारी बहुत याद आई। तुम्हारे साथ किए सभी विद्यालय के ट्रिप याद आए। पर्वतीय स्थलों की यात्रा सुखद अहसास होता है। वहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य, हरे–भरे पेड़ सीना ताने खड़े हैं, पहाड़ों का मनोरम दृश्य मन को प्रफुल्लित कर देता है। झरनों का कल–कल शोर उल्लास से भर देता है। सहस्त्रधारा में स्नान का मजा ही अनोखा था मौसम का लुफ्त उठाते सैलानियों का जोश देखते ही बनता था। मित्र संपूर्ण ट्रिप में बहुत आनन्द आया।

तुम इस बार कहाँ घूमने गए या जाओगे, लिखना। माता –पिता को मेरा प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र
अरविन्द

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : इस चित्र में कारों, दुपहिया वाहनों, ट्रकों व बसों की लम्बी कतारें दिख रही हैं। यह चित्र सड़कों पर लगे ट्रैफिक जाम की समस्या को दर्शाता है। शहरीकरण व वाहनों के ज्यादा उपयोग से प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है। वाहनों से निकलने वाले धुएँ से वायु प्रदूषण होता है जिससे अनेकों बीमारियाँ जन्म लेती हैं। हमें प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रदूषण कम करने के प्रयत्न करने चाहिए।

अथवा

उत्तर : इस चित्र में विद्यार्थी एकाग्रता से पढ़ाई कर रहे है। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक समय विद्या अर्जन में लगाना चाहिए। अच्छे लेखकों की ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़नी चाहिए। पुस्तक पढ़ने से सृजन शक्ति को बढ़ावा मिलता है तथा आदर्शों का पालन करने की सीख मिलती है। हमें अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय से पढ़ने से परीक्षा का भय नहीं रहता।

17. अपने छोटे भाई को जंक फूड छोड़कर स्वस्थ आहार अपनाने के लिए समझाते समय दोनों भाईयों के बीच हुए संवाद को लिखिए। 5

उत्तर :

बड़ा भाई– अनुज, तुम कैसे हो?

छोटा भाई– भईया, मैं ठीक हूँ। आप कैसे हो?

बड़ा भाई– मैं भी ठीक हूँ पर मैं देख रहा हूँ कुछ दिनों से तुम थके–थके रहते हो।

छोटा भाई– नहीं भईया, ऐसा नहीं है। (घबराते हुए)

बड़ा भाई– तुम अपनी सेहत का बिल्कुल ख्याल नहीं रखते हो और जंक फूड़ खाते हो।

छोटा भाई– नहीं भईया ज्यादा नहीं।

बड़ा भाई– अनुज समझने की कोशिश करो। जब यह जंक फूड हमारे शरीर में जाता है तब यह हमारी आंतों को नुकसान पहुँचाता है और धीरे–धीरे हमारी अवरोधक क्षमता क्षीण पड़ती जाती है।

छोटा भाई– जी भईया।

बड़ा भाई– वादा करो अब से जंक फूड कम से कम खाओगे और हरी–सब्जियाँ अपने भोजन में ज्यादा से ज्यादा शामिल करोगे।

छोटा भाई– जी भईया, मैं वादा करता हूँ।

अथवा

कक्षा में आयोजित 'जनसंख्या वृद्धि पर चर्चा' में शिक्षक और छात्रों के बीच हुए संवाद को लिखिए।

उत्तर :

शिक्षक– छात्रों, आज की चर्चा का शीर्षक है 'जनसंख्या वृद्धि'।

छात्र– जी।

शिक्षक– सब छात्र एक–एक कर अपने विचार प्रकट करेंगे।

छात्र– जी, बोलने का समय कितना मिलेगा?

शिक्षक– सभी को बोलने के लिए 1 मिनट मिलेंगे।

छात्र (1)– भारत आबादी की दृष्टि से चीन के बाद दुनिया का सबसे बड़ा देश है।

छात्र (2)– निरन्तर बढ़ती आबादी के कारण माँग अधिक व आपूर्ति कम इसलिए महँगाई और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएँ विकट रूप ले रही हैं।

छात्र (3)– बाल मजदूरी, स्त्री शोषण जैसी समस्याओं को भी बढ़ावा मिल रहा है।

शिक्षक– सरकार के अनेक प्रयासों के बाद भी इस समस्या पर नियंत्रण पाना कठिन हो रहा है।

छात्र– बढ़ती जनसंख्या को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

शिक्षक– बहुत बढ़िया! कल सब जनंसख्या वृद्धि पर निबंध लिखकर लाना।

18. मकान बेचने के लिए समाचार–पत्र में देने हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

मकान बिकाऊ है
मकान अच्छी कंडीशन में हैं।
मकान में 5 कमरे, रसोई, बैठक, लॉन इत्यादि हैं।
इच्छुक पार्टी लेने हेतु तुरंत सम्पर्क करें।
पता–
लक्ष्मी अपार्टमेन्ट
रोहिणी, दिल्ली
मोबाइल नं. : 4584548584

अथवा

समाचार–पत्र में मध्य रेलवे में आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक डॉक्टर भर्ती हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

मध्य रेलवे

वॉक इन इंटरव्यू

आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक डॉक्टर पार्ट टाइम, चयन हेतु इच्छुक उम्मीदवार मिलें।

दिनांक– 25 अगस्त, 2019

समय– सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.madyrailways.com देखें

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.